RNI: RJHIN/ 2013/ 53539

शिव आमंत्रण

वर्ष: 4, अंक: 5 | RNI: RJHIN/ 2013/ 53539 | सशक्तिकरण और सामाजिक सेवाओं का दर्पण | हिन्दी (मासिक), मई- 2016, सिरोही, पृष्ठ: 4, मूल्य: 6 रुपए

यह है संस्कारों की पाठशाला ...पेज - 2

कुंवरानी से बनी परमात्मा के दिल की राजकुमारी ...पेज - 2

स्वयं के बदलाव से ही होगा वैश्विक बदलाव सम्भव ...पेज - 3

व्यापार कौशल यहां से सीखा जा सकता है : सिंह ...पेज - 3

रेडियो मधुबन को राष्ट्रीय अवार्ड का सम्मान ...पेज - 4

नारी सम्मान और सुरक्षा के लिए युवाओं को जागरूक बनना जरूरी ...पेज - 4

अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक — इस बार महिला, ग्रामीण विकास तथा युवाओं पर रहेगा फोकस, सर्वांगीण विकास का होगा प्रयास

समाजोत्थान के लिए वर्ष भर चलाये जायेंगे राष्ट्रव्यापी अभियान

शिव आमंत्रण ■ आबू रोड

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में वर्ष भर समाजोत्थान के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान चलाये जाएंगे। देश-विदेश से आए संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि पूरे विश्व में मानवीय मूल्यों का तेजी से पतन हो रहा है। ऐसे में व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए अभियान चलाकर आध्यात्मिकता के प्रति जागृति लाई जाए।

उन्होंने कहा कि देश के भविष्य युवा पीढ़ी को नशे की लत और बुरी आदतों से छुटकारा दिलाना एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में संस्थान को पूरे गांवों से लेकर शहरों तक के युवाओं को इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि खुद के अन्दर का सकारात्मक बदलाव बहुत जरूरी है। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने भी आंतरिक शक्ति को बढ़ाकर जीवन में मूल्यों के जरिये ईश्वरीय संदेश को ज्यादा कारगर माना।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के महासचिव बीके निर्वेर ने कहा कि वर्ष 2016 हमें सम्पूर्ण बनने का संदेश दे रहा है। ऐसे में हमें दूसरों के सर्वांगीण विकास के लिए भी सोचना चाहिए। बाबा का भी यही संदेश है। अतिरिक्त महासचिव बीके रमेश, बीके बृजमोहन ने भी मीटिंग की गतिविधियों को जमीनी स्तर पर हकीकत में उतारने पर बल दिया।

नशामुक्ति आंदोलन चलेगा : कार्यकारिणी की बैठक में संस्था के मेडिकल प्रभाग द्वारा पूरे भारत में नशामुक्ति का अभियान चलाया जाएगा। ये योजनाएं केन्द्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग तथा राज्यों के सहयोग से कार्यान्वित होंगी। इसके लिए राजयोग ध्यान से नशा छोड़ चुके लोगों को इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा शामिल किया जाएगा।

संकल्प

संस्थान के युवा प्रभाग के द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्कूलों एवं कालेजों में कार्यक्रम कर नैतिक मूल्यों के प्रति प्रोत्साहित किया जायेगा। साथ ही राजयोग को जीवन में अपनाने के लिए भी प्रेरणा दी जायेगी।

विचार मंथन — अंतरराष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संस्था प्रमुख दादी जानकी, सह मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी एवं उपस्थित अन्य वरिष्ठ बीके बहिनें व भाई।

स्टूडियो में स्वस्थ सामग्री बढ़ाने पर सहमति

गॉडलीवुड स्टूडियो में स्वस्थ सामग्री प्रोडक्शन बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। जिससे ईश्वरीय संदेश ज्यादा से ज्यादा लोगों तक टीवी चैनलों के माध्यम से पहुंचाया जा सके। इसके लिए बीके हरीलाल ने पूरी रूपरेखा रखी।

20 प्रभाग आयोजित करेंगे सैकड़ों कार्यक्रम : संस्थान के राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के 20 प्रभागों द्वारा सभी वर्गों में उत्कृष्टता के लिए सैकड़ों राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर सेमिनार, कार्यशालायें, सम्मेलनों और प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

ये रहे सहभागी : संस्थान के सूचना निदेशक बीके करूणा, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, पंजाब जोन के निदेशक बीके अमीरचन्द, महाराष्ट्र जोन की निदेशिका बीके संतोष समेत सभी प्रभागों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय एवं मुख्यालय को-ऑर्डिनेटर, जोन/सबजोन के प्रभारी तथा मुख्य सेवा केन्द्रों की प्रभारी शामिल हुई।

ग्रामीण विकास पर रहेगा जोर

ग्रामीण इलाकों में सशक्तिकरण तथा खेती में आमूलचूल बदलाव के लिए संस्था का ग्राम विकास प्रभाग पूरे वर्ष ग्रामीण विकास अभियान चलाकर, नशामुक्ति, शाश्वत यौगिक खेती के प्रशिक्षण के आयोजन के जरिये लोगों को जागरूक करेगा।

नारी सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रयास: समाज विकास की धुरी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संस्थान का महिला प्रभाग विशेष अभियान चलाएगा। ब्रह्माकुमारीज दुनिया की पहली संस्थान है जिसका संचालन स्वयं बहनों के हाथों में है। इसके लिए महिला संस्थानों के सहयोग से सेमिनार एवं सम्मेलनों का आयोजन होगा।

व्यक्तित्व निर्माण सबसे बड़ा कार्य-खट्टर

शिव आमंत्रण ■ करनाल/असन्ध

हरियाणा की धरती पर करनाल और असन्ध के साथ कई स्थानों पर नवनिर्मित सेवाकेन्द्रों के उद्घाटन ने इतिहास रच दिया। इस महत्वपूर्ण समय पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने आए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि सामान्य जनता सड़कों, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रगति मानती है, जो भौतिक चीजों का निर्माण है जबकि व्यक्तित्व और चरित्र निर्माण सबसे बड़ा कार्य है। यह कार्य ब्रह्माकुमारीज संस्थान बड़ी सफलता के साथ कर रही है।

उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों द्वारा संचालित यह संस्था पूरे विश्व में आध्यात्मिक ज्ञान का डंका बजा रही हैं। नशामुक्ति के साथ युवाओं में चरित्र निर्माण का उद्देश्य लेकर यह संस्थान लगातार आगे बढ़ रही है। इससे निश्चित तौर पर एक दिन विश्व में बदलाव आएगा। समर्पण समारोह से बेटियों को एक नया सम्मान मिलेगा। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा हम सभी का पिता है इसलिए हमारे सारे सम्बन्ध उनसे होने से उनकी शक्तियां हमारे अन्दर आ जाएगी। इसलिए हमें खुद को परमात्मा के ऊपर अर्पण कर देना चाहिए। पंजाब जोन के निदेशक बीके अमीरचन्द ने कहा कि हरियाणा में इस तरह के कार्यक्रम निश्चित तौर पर श्रेष्ठ समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध होंगे।

....शेष पेज तीन पर

समर्पण समारोह — करनाल के समर्पण समारोह में उपस्थित हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, दादी रतन माहिनी, पिछड़ा आयोग अध्यक्ष ई.ईश्वरैया तथा अन्य अतिथि।

असन्ध में विशाल राजयोग भवन का उद्घाटन, 11 बहनों का समर्पण समारोह

शिव आमंत्रण, असन्ध। अवसर तो था ज्योतिर्लिंगम् भवन के उदघाटन का लेकिन 11 युवा बहनों के समर्पण समारोह की सरिता में पूरा असन्ध डूब गया। माउण्ट आबू से आयी संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के स्वागत तथा युवा बहनों के आतिथ्य में 11 रथों से जब शोभायात्रा का आगाज हुआ तो पूरा शहर उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में लोगों का हुजुम हर किसी को आकर्षित करने के लिए काफी था। इसके पश्चात् नवनिर्मित शिव ज्योतिर्लिंगम् भवन का विधिवत उदघाटन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित हरियाणा के संसदीय सचिव बख्शिस सिंह विर्क ने कहा कि यह गौरव का पल है कि एक ऐसे भवन का उदघाटन किया गया है जिसमें आने मात्र से ही लोगों को खुद की पहचान का अवसर प्रतिपादित होने लगता है। 11 युवा बहनों का समर्पण और समाज सेवा के लिए भवन का उद्घाटन अति पुण्य का कार्य है। ऐसे कार्यक्रमों में शरीक होना किसी गौरव से कम नहीं है। कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि नारी नर्क का द्वार नहीं बल्कि स्वर्ग का द्वार है। परमात्मा ने आकर सिद्ध कर दिया है क्योंकि परमात्मा का अवतरण होता ही मानव कल्याण के लिए। अत: हमें परमात्मा की श्रीमत पर चलना चाहिए। राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग वर्ग के चेयरमैन न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैय्या, नीलोखेड़ी के विधायक एवं भाजपा के जिलाध्यक्ष भगवानदास कबीरपंथी, हैफेड के चेयरमैन एवं घरोंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, नवचेतना के अध्यक्ष एसपी चौहान, असन्ध सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके उषा ने संबोधित किया।

हरियाणा के संसदीय सचिव बख्शिस सिंह विर्क को ईश्वरीय सौगात देतीं दादी रतन मोहिनी तथा कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह।

ये हुई समर्पित: बीके नीलम, बीके सरिता, बीके प्रेरणा, बीके शक्ति, बीके पूनम, बीके किरण, बीके सुमन, बीके प्रीति, बीके ममता, बीके अनीता, बीके अमन तथा करनाल से बीके पूजा, बीके रजनी, मीना, रीना और सुमन अपने जीवन का महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए स्वयं को आजीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

सकारात्मक विचारों से सुनिश्चित होगा प्रभावी न्याय : ईश्वरैया

अम्बाला कैंट में न्यायविदों के सेमीनार मे व्यक्त विचार

न्यायविदों के सेमिनार का उद्घाटन करते वि. ईश्वरैया व अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण, अम्बाला। हरियाणा के अम्बाला कैंट ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र तथा जिला बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में विशेष न्यायविदों के लिए प्रेरणादायी सेमिनार 'जस्टिस, लव एंड हार्मनी' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तथा वर्तमान राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष भ्राता जस्टिस वि. ईश्वरैया, जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक गुप्ता, अम्बाला जिला उपायुक्त अशोक सांगवान, पंजाब-हरियाणा बार कौंसिल के चेयरमेन रजत गौतम, हांसी से बीके लक्ष्मी ने दीप प्रज्वलित कर किया। अम्बाला जिला कोर्ट परिसर में आयोजित इस सेमीनार में जस्टिस वि. ईश्वरैया ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना वक्तव्य देते हुए सभी न्यायविदों को कहा कि न्यायपालिका की दिनचर्या में आध्यात्मिक सोच व सकारात्मक विचारों का समावेश करके से न केवल प्रभावी न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है बल्कि इससे सभी को तनावमुक्त कार्यशैली की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने अपराधमुक्त समाज की स्थापना के लिए हर व्यक्ति की सोच को परिवर्तित करने की दिशा में चल रहे ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्य की सराहना की।

न्यायाधीश दीपक गुप्ता ने भी इस संयुक्त उपक्रम की सराहना करते हुए कहा कि समय-समय पर ऐसे आयोजन होने से नई सकारात्मक जीवनशैली से परिचित हो सकते है।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अशोक सांगवान ने कहा कि तनावमुक्त जीवन से व्यक्ति की कायक्षमता बढ़ती है और वह किसी भी कार्य को सरकारी ड्यूटी का बोझ समझने के बजाय जनकल्याण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित होता है।

कार्यक्रम में चेयरमैन रजत गौतम ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए इस प्रकार के सेमिनार हर जिला स्तर पर आयोजित करने के लिए अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उन्होंने यह विश्वास जताया कि ब्रह्माकुमारिज के सहयोग से हम सभी न्यायविद अपने जीवन को सकारात्मक बना सकेंगे।

....शेष पेज तीन पर

21 कि.मी. की दौड़ : अमेरिका, केन्या, जापान के धावकों ने दिखाया दम

शिव आमंत्रण, माउण्ट आबू। राजस्थान की पर्यटन नगरी माउण्ट आबू में भारत सहित कई देशों के लोगों ने दौड़ लगाकर विश्व में शांति, सदभावना और एकता का संदेश दिया। एल.एस. स्पॉर्टस् अहमदाबाद, सी.आर.पी.एफ., नगरपालिका माउण्ट आबू तथा ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के खेलकूद प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस 21 कि.मी. की दौड़ में भारत के कोने-कोने के साथ अमेरिका, केन्या, जापान समेत कई देशों के धावकों ने भाग लिया।

इस हाफ मिनी मैराथन को माउण्ट आबू उपखण्ड अधिकारी अरविन्द पोसवाल, माउण्ट आबू नगरपालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के खेलकूद प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बीके शशि सहित कई लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवानगी दी। कई देशों से आये प्रतिनिधियों के कारण माऊण्ट आबू का गौरव और बढ़ गया। इस दौड़ के लिये नन्हें बच्चों से लेकर युवतियों, महिलाओं, सी.आर.पी.एफ. के जवानों सहित स्थानीय लोगों का उत्साह भी देखने लायक था। ऊंचे-नीचे पर्वतीय रास्तों से दौड़ते हुए केन्या से आये धावकों ने 21 तथा 10 कि.मी. मैराथन में विजय प्राप्त की। महिला धावकों में मथुरा की सुनीता चौधरी ने बाजी मारी। बड़ी संख्या में आये स्कूल के बच्चों और बच्चियों ने हर किसी को उमंग - उत्साह से भरपूर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि यह दौड़ नहीं बल्कि सेहत, सद्भावना और एकता के लिए प्रेरित करने का संदेश है। केन्या के विजेता धावकों ने कहा कि भारत जैसे देश में मिनी मैराथन जीतना गौरव की बात है। अन्त में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

संपादकीय

बीके करूणा

पूरे वर्ष चलेंगी कल्याणकारी योजनाएं

समाज में व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए यूं तो सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं परन्तु इतने प्रयासों के बाद भी जहां कुछ समस्याओं का निस्तारण हुआ है तो कई ऐसी समस्याएं हैं जो दिन-प्रतिदिन सुरसा के समान मुंह बाये तेजी से बढ़ रही हैं। इसका परिणाम दिनों-दिन गम्भीर होता जा रहा है। सबसे भयानक स्थिति मूल्यों को लेकर है। समाज में तेजी से गिरते मानवीय मूल्यों से उत्पन्न संकट का कोई भी समाधान निकलता नहीं दिख रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अन्तर्राष्ट्रीय वार्षिक कार्यकारिणी की बैठक में इसके समाधान पर व्यापक चर्चा की गयी। संस्था प्रमुख राजयोगिनी दादी जानकी के निर्देशन में चली बैठक में सभी प्रभागों, जोन, सबजोन तथा सेवा केन्द्रों के वरिष्ठ सदस्यों ने यह सुझाव दिया कि पूरे वर्ष में जो भी कार्यक्रम आयोजित किये जाएं उसमें मूल्यों की पुनर्स्थापना ही मुख्य केन्द्र बिन्दू हो। इसी के तहत सैकड़ों योजनाओं को अंतिम रूप दिया गया। ग्रामीण विकास से लेकर युवाओं और महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता में शामिल किया गया। संस्थान पूरे वर्ष समाज के सभी वर्गों में ऐसी योजनाएं चलाकर लोगों में आन्तरिक सशक्तिकरण का प्रयास करेगा। भारत एक बहुआयामी देश है ऐसे में सभी के सर्वांगीण विकास से ही देश का विकास होगा। यह हमें तय करना पड़ेगा कि आखिर हम कैसा विकास चाहते हैं क्योंकि कंकरीट और कांच की ऊंची बिल्डिंगों का निर्माण तो निर्बाध रूप से हुआ है, परन्तु उससे सुख प्रदान करने वाले तत्व गायब होते चले गए अर्थात मूल्यों का क्षरण होता गया जो चिंताजनक है। वार्षिक मीटिंग में परिचर्चा से निश्चित तौर पर एक बेहतर परिणाम सामने आएगा।

यह है संस्कारों की पाठशाला

मेरी कलम से

दया चौधरी

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ न्यायाधीश दया चौधरी, से हुई भेंटवार्ता पर आधारित

समाज में आएगा सकारात्मक बदलाव

आप अपने दिल पर हाथ रख कर सोचते हो कि यह क्या हो रहा है? क्या आप सोचते हो कि इस तरह चीखने-चिल्लाने से और बड़ी विदारक सी भाषा बोलने के बाद जो तुम्हें मारना चाहते है वह तुम्हें छोड़ देंगे? वह नहीं बचा पायेगा। अगर शेर के आगे हिरन कहने लग जाए, उसके आगे नतमस्तक होने लगे, कहेगा हे शेर मुझे मत खाना। क्या शेर उसको छोड़ेगा? ऐसे में शक्ति का रूप जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में बहनें और भाई जो पूरे विश्व में कार्य कर रहे हैं, इससे ही समाज में सकारात्मक बदलाव आयेगा। मैं तो लम्बे समय से ब्रह्माकुमारीज संस्थान से जुड़ी हूँ। मैंने देखा कि मेरे जीवन में बहुत ही सकारात्मक परिवर्तन आया है। परमात्मा जीवन में सुख-शांति का संचार कर रहे हैं। निश्चित तौर पर एक दिन दुनिया बदलेगी।

आध्यात्मिक शक्ति से होता है जीवन में ऊर्जा का संचार

राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक शक्ति से ही जीवन में मूल्यों का संचार हो रहा है। ऐसा केवल इस विधा से ही सम्भव होगा। आज नारी को लोग कम आंकते है परन्तु ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने इस मिथ्या को तोड़ दिया है। पूरे विश्व में मूल्यों और मर्यादाओं की स्थापना में जिस तरह से क्रांति फैली है,यह इसका सीधा प्रमाण है। यही सच्ची संस्कारों की पाठशाला है। यह संस्थान उन दूर-दराज के इलाकों में भी जीवन में उत्कृष्टता के लिए कार्य कर रहा है जहाँ लोग जाने से भी कतराते हैं। असली रूहानी सेना तो यही है जो पूरे विश्व से विकारों और बुराईयों को दूर करने में लगी हुई है क्योंकि जब बुराईयों का इस युग से खात्मा होगा तब जाकर नया समाज बनेगा, जिसकी नींव स्वयं परमात्मा ने रख दी है।

भगवान ने स्त्री-पुरूष दोनों को बनाया है सृष्टि चलाने के लिए। कोई कम ज्यादा नहीं है। छोटा-बड़ा, कम -ज्यादा बुद्धिमान यह तुलना करना ही गलत है। कोई भी बुद्धिमान हो सकता है, डिग्री अलग-अलग हो सकती है, फिर चाहें वह पुरुष हो अथवा महिला। महिला अथवा पुरुष दोनों की अपने-अपने क्षेत्र की अलग -अलग तरह की डिग्री होती हैं। तो इसमें तुलना करने जैसी कोई बात ही नहीं है। जब महिलाओं की स्थिति की बात हो तो शास्त्रों की बात करना आवश्यक है। महिलाओं के प्रति इस संकुचित मानसिकता के पीछे हमारे पूर्वजों द्वारा लिखित शात्रों की एक अहम् भूमिका रही है। कहते है शास्त्र ज्यादातर पुरुषों ने ही लिखे हैं। जब बात आती है लिखने की या कोई और प्राबल्य और प्रधानता वाले कार्य की, तो पुरुषों ने अपना स्थान सदैव सुरक्षित रखा है और अपनी प्रधानता और स्वयं को शक्तिशाली सिद्ध करने की सारी बात शास्त्रों में लिख दी है।

हमारे इन पुरुष शास्त्रकारों ने पति को परमेश्वर का रूप दिया है। क्या सिर्फ पति ही परमेश्वर का रूप हो सकता है, पत्नी नहीं? पत्नी भी परमेश्वर का उतना ही रूप हो सकती है जितना कि पति। बहुत सारे पति शराब पीते है। पत्नी शराब पीने वाले को पति तो मानेगी परन्तु अपने पति से उसे अवश्य पूछना चाहिए कि क्या परमेश्वर कभी शराब पीते हैं। तो आप क्यों पीने लगे? अब यह शराबी पति परमात्मा का रूप तो नहीं है। तो यह कहना बिल्कुल सही होगा कि पुरुष और महिला दोनों में ही परमात्मा बसता है। अब शास्त्रों की बात चली तो मुझे एक और शास्त्र में महिलाओं के प्रति वर्णित बात याद आती है। तुलसीदास जी ने रामायण में महिलाओं के प्रति यहाँ तक लिख दिया है कि ढोल, गवार, पशु, शूद्र, नारी ये सब है ताड़न के अधिकारी।

मत बढ़ाइये खाइयां

बार-बार महिला और पुरुष की तुलना कर के हम अपने समाज को जैसे दो भागों में बाँट रहे हैं- एक जो महिलाओं को प्रधानता देता है और दूसरा पुरुषों को। अगर यह खाईयां हम बढ़ाते जायेंगे तो सुख चैन से जी नहीं सकेंगे। इस पुरुष प्रधान समाज की एक बहुत ही संवेदनापूर्ण बात आती है भ्रूण हत्या की। वह लड़की, जो अभी गर्भ में ही है अपनी माँ को कहती है, मां मुझे बचा लो, मैं यह सुंदर सी दुनिया देखना चाहती हूं। मैं अच्छे कपड़े नहीं मांगूंगी, मैं खिलौने नहीं मांगूंगी। हे मां मुझे बचा लो।

आप अपने दिलपर हाथ रख के सोचते हो कि यह क्या हो रहा है? क्या आप सोचते हो कि इस तरह चीखने-चिल्लाने से और बड़ी विदारक सी भाषा बोलने के बाद जो तुम्हें मारना चाहते हैं वह मारने का अपना इरादा बदल देंगे? शायद नहीं। अगर शेर के आगे हिरन कहने लग जाए, उसके आगे नतमस्तक होने लगे और कहे कि हे शेर मुझे मत खाना। क्या शेर उसको छोड़ेगा? इस विषय पर बहुत गहराई से सोचने की आवश्यकता है। दुनिया की पहला संस्थान जिसका संचालन महिलायें ही करती हो, यह किसी अजूबे से कम नहीं।

कुंवरानी से बनी परमात्मा के दिल की राजकुमारी

शख्सियत
कुंवरानी माया सर्वाणि

कुंवरानी माया सर्वाणि का जन्म झारखण्ड के चैनपुर राज्य की राजकुमारी के रूप में हुआ तथा विवाह पश्चात् वे गर्रोली राज्य, मध्य प्रदेश की कुंवरानी बनी। उन्हें लोग प्यार से रानी सा के नाम से जानते हैं। उनके जीवन के कुछ प्रश्न और जीवन के सच्चे अर्थ की खोज उन्हें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तक खींच लाई और रानी सा कुंवरानी के साथ-साथ अब एक कुशल राजयोगिनी भी बन गयीं। उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को जानने की कोशिश की शिव आमंत्रण के संवाददाता बी.के. सौरभ ने।

एक बहुत ही संस्कारी राजपरिवार से ताल्लुक रखने वाली रानी सा के मन में बचपन से ही भक्ति भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। गीता, रामायण तथा अन्य पुराणों का नित्य पाठ करना उनके जीवन का एक अभिन्न अंग था। विशेषतः माँ दुर्गा में प्रगाढ़ निष्ठा रखने वाली रानी सा के मन में कई ऐसे आध्यात्मिक प्रश्न थे जिनका उत्तर खोजने का उन्होंने बहुत प्रयास किया परंतु उन्हें कहीं भी अपनी इस अंतरात्मा के प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर नहीं मिला।

एक बार बचपन में जब रानी सा बहुत बीमार हो गयीं थीं तब उनके परिवार ने बिल्कुल आशा छोड़ दी थी कि अब वे ज्यादा दिन जी पाएंगी। परिवार में जब इस तरह की बातें हो रहे थीं तो वे रानी सा तक भी पहुंचीं और उन्होंने अपनी माता जी से पूछा की, माँ क्या मैं अब नहीं बचूँगी। उनकी माँ ने उन्हें कहा कि मैं तुम्हारी माँ थोड़े ही हूँ तुम्हारी माँ तो दुर्गा माँ हैं। जाओ उनसे ही पूछो। इसके बाद रानी सा दुर्गा माँ के मंदिर गयीं और घंटो दुर्गा माँ के पास बैठकर अपने मन की बातें कहती रहीं। इसके बाद जब वे वापस घर लौटीं तो उनका स्वस्थ्य पहले से ठीक अनुभव हुआ और बहुत ही जल्द वे पूर्णतः स्वस्थ हो गयीं। इस घटना ने माँ दुर्गा के प्रति उनकी निष्ठा को और भी प्रगाढ़ कर दिया।

घर जैसा अनुभव होता है

रानी सा कहती है कि जो अनुभूति उन्हें सबसे अधिक खींचती थी वो थी एक घर जैसी अनुभूति। जब भी वे स्थानीय राजयोग केंद्र अथवा माउंट आबू स्थित मुख्यालय में जातीं तो उन्हें हमेशा ऐसा अनुभव होता जैसे मनो वो अपने पिता के घर आ गयी हों। यहाँ के भाई बहनों द्वारा मिलने वाला स्नेह एक अतीन्द्रिय सच की अनुभूति करने वाला होता है और मुझे कभी अपने लौकिक पिता के घर जाने का ख्याल ही नहीं अत क्यूंकि मुझे तो लगता है जैसे मैं रोज़ अपने पिता के घर ही जाती हूँ।

बाबा ने दिल की बात सुनी

सन् 1991 में रानी सा जब पहली बार मैं ब्रह्माकुमारीज़ के माऊण्ट आबू स्थित अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय पांडव भवन मुझे असीम शांति और प्रेम की अनुभूति हुयी। इस दौरान तत्कालीन संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि, अतिरिक्त मुख्या प्रशासिका दादी गुलज़ार जी तथा महासचिव बीके निर्वैर से मिलने का सुअवसर भी प्राप्त हुआ। उनके आध्यात्मिक अनुभवों से मुझे बहुत ही प्रभावित किया तथा मेरे मन में एक प्रेरणा जाग उठी कि मुझे भी इस जैसा श्रेष्ठ योगी बनना है। बचपन में हम एक कहानी सुनते थे कि तिब्बत की पहाड़ियों में ज्ञान गंज नामक जगह है जहां संसार के महानतम् योगी और ऋषि मुनियों का निवास स्थान है। पांडव भवन में मैंने बचपन की उस परिकल्पना को साकार होते हुए देखा। यहाँ के साधारण से साधारण व्यक्ति भी एक महान और श्रेष्ट योगी था और जिसकी ओर भी देखती है एक दैवीय आभामंडल जैसा अनुभव होता था। हालाँकि यहाँ आने से पहले मेरे मन बहुत संशय था कि भला ऐसी भी कोई जगह हो सकती है जहां लोग परमात्मा से मिलते हों, पर फिर भी अपने गुरु द्वारा सुने हुए कुछ महावाक्य मुझे यहाँ खींच लाये थे। उन्होंने अपनी एक पुस्तक में लिखा था कि आबू पर्वत ही वो स्थान हैं संसार के श्रेष्ठतम तपस्वी और योगियों का निवास स्थान है। जिस दिन हम वहाँ पहुंचे वो परमात्म अवतरण का दिन था तथा इसी दिन परमात्मा का अवतरण दादी गुलज़ार के तन में होना था। मेरी एक इच्छा थी कि यदि सच में ये परमात्मा ही हैं तो मुझे यह देवी माँ के विषय में कुछ अवश्य कहेंगे। परमात्म-मिलन लगभग पुरा हो चुका था और माँ के सन्दर्भ के कोई भी बात नहीं हुई, मैं थोड़ा मायूस हो गयी, तभी अचानक मैंने सुना कि मात पिता और जगदम्बा माँ का सभी को याद प्यार स्वीकार हो। मेरा मन आनंद विभोर हो उठा और मुझे संपूर्ण निश्चय हो गया कि यह वाकई परमात्मा का कार्य है। मेरे मन के सभी संशय तो दूर हो ही गए, साथ मन के सभी अध्यात्मिक प्रश्नों का भी समाधान हो गया और जीवन के लक्ष्य की स्पष्टता भी मिली। ब्रह्मकुमारीज़ द्वारा यह एक विश्व कल्याण का कार्य चल रहा है और यह कार्य केवल महिलाओं के लिए ही नहीं मालकी समाज के सभी वर्गों के लिए किया जा रहा है जाति धर्म, रंग अदि का कोई भी भेद यहाँ नहीं किया जाता तथा सच्चे-सच्चे अर्थ में वसुधैव कुटुंबकम की भावना रखकर सर्व प्रति निस्वार्थ सेवा की जाती है।

सच्चे गुरु की प्राप्ति

जब काफी समय तक अध्यात्मिक खोज करने के बाद भी रानी सा को अपने अध्यात्मिक प्रश्नों के उत्तर न मिले तो उन्होंने निर्णय किया कि अब वो कोई गुरु करें और उनके द्वारा अपने इन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करें। इस निर्णय में उनके किसी सम्बन्धी ने उन्हें दतिया पीताम्बर शक्ति पीठ से गुरुमंत्र लेने की प्रेरणा दी और रानी सा ने ऐसा ही किया। साथ ही अपने गुरु मंत्र को स्मृति में लाते हुए एक संकल्प किया कि अब मुझे अपने प्रश्नों के सही उत्तर मिल जायेंगे और संयोग कहें या परमात्म अनुकम्पा कहें उसी दिन जब वे घर पहुँची तो वहाँ एक ब्रह्माकुमारी बहन तलसा जी पधारी हुयी थीं और कुछ ईश्वरीय ज्ञान चर्चा कर रही थीं तत्पश्चात उन्होंने रानी सा ठाठ उनके राज परिवार के सभी सदस्यों को। दिवसीय राजयोग की शिक्षा दी और रानी सा के मन के उठने वाले सभी अध्यात्मिक प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर भी दिए। परन्तु अब भी रानी सा को सम्पूर्ण निश्चय नहीं हुआ था कि यह ही वो सत्य मार्ग है जिस पर चलकर अपने जीवन का आध्यात्मिक लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

मील का पत्थर साबित हो रहा गॉडलीवुड स्टूडियो

स्टूडियो का नाम आते ही दिला-दिमाग पर ग्लैमर छा जाता है क्योंकि वर्तमान युग में स्टूडियो से व्यक्ति टेलीविजन के जरिये हर घर में पहुंच जाता है। लोगों के बेडरूम में भी पहुंच जाता है जिसे व्यक्ति ना चाहते हुए भी देखता है, परन्तु जिस तरह से स्टूडियो में बनने वाले कन्टेन्ट फूहड़ता और भद्देपन को आमंत्रित कर रहे है, वह वाकई समाज के सर्वनाश का कारण भी बनता जा रहा है। सर्वनाश का अर्थ विनाश से नहीं है परन्तु मानसिक भटकाव से है। आज के युग में कॉपी करने का रस्म तेजी से बढ़ता जा रहा है। स्टूडियो में सामग्री बनकर टेलीविजन में गया नहीं कि हाथो-हाथ लोग निजी जीवन में इसे जगह दे देते हैं। ज्यादा बिकने और दिखने की चक्कर में लोग अपनी संस्कृति को छोड़ पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर रहे हैं। जिससे समाज एवं परिवार से मूल्यों का गायब होना वाकई गहरा चिंता का विषय है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा निर्मित गॉडलीवुड स्टूडियो का मकसद सिर्फ दर्शकों तक ऐसे सामग्री उपलब्ध कराना है जिससे समाज के सभी तबके के लोगों के जीवन में तरक्की और खुशहाली आये। यह खुशी है कि पीस आफ माइंड चैनल के अलावा देश के कोने-कोने में स्थानीय तथा राष्ट्रीय 40 से ज्यादा चैनलों में निःशुल्क प्रसारित कर कर रहा है। चार वर्ष पूर्ण करने के पश्चात जिस तरह से लोगों का स्नेह मिला है। उससे यह सिद्ध हो गया है कि लोगों में सकारात्मक खबरों, सामग्री की बेहद जरूरत है। भौतिक संसाधनों का उपयोग केवल ज्ञान और मूल्यों के संवर्धन के लिए ही हो जो यह आज अपने मकसद में कामयाब होता दिख रहा है।

- **बीके हरीलाल,** कार्यकारी निदेशक, गॉडलीवुड स्टूडियो

आप खुद हैं सुपर नेचुरल मानव कम्प्यूटर

माइंड पावर

लेखक बीके शक्ति वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर, माइंड, मेमोरी स्पिरिचुअल ट्रेनर व मोटिवेशनल स्पीकर।

वेबसाइट :-www.divinemindpower.bk.ooo

अद्भुत अविश्वसनीय आश्चर्यजनक परन्तु 100 प्रतिशत सत्य तथ्य है कि आज वैज्ञानिक हमारे मानव मस्तिष्क की कार्य प्रणाली की नकल कर ऐसा कम्प्यूटर बनाने जा रहे हैं, जिसे क्वांटम कम्प्यूटर के नाम से जाना जाएगा। यदि वैज्ञानिक हमारे मस्तिष्क की कार्य प्रणाली की हूबहू नकल कर एक क्वांटम कम्प्यूटर बनाने जा रहे हैं तो आप सोच सकते हैं कि दो कानों के बीच में परमात्मा ने जो हमें सुपर नेचुरल ह्यूमन कम्प्यूटर दिया है, यह दुनिया का कोई भी कम्प्यूटर चाहे वह सुपर कम्प्यूटर हो, क्वान्टम कम्प्यूटर हो परम- 1000 हो या आई.बी.एम. चिप्स हो, परन्तु इस सुपर नेचुरल ह्यूमन कम्प्यूटर के सामने सब बौने है, क्योंकि इनको बनाने वाला यही सुपर नेचुरल ह्यूमन कम्प्यूटर है। एक वैज्ञानिक शोध से पता चला है, कि जब बच्चा 2 से 4 वर्ष का होता है, तो उसमें 97 प्रतिशत रचनात्मक शक्ति होती है परन्तु जैसे-जैसे वह बड़ा होता है,उसकी रचनात्मक शक्ति घटकर 10-20 प्रतिशत ही रह जाती है जानते है क्यों? यह रचनात्मक शक्ति क्यों घटती है क्योंकि जब बच्चा छोटा होता है, उसके माता-पिता का उससे अति प्रेम होता है, परन्तु जैसे ही वह 6 वर्ष की आयु को पूरा करता है, तब से ही माता - पिता द्वारा नकारात्मक विचार उसके अवचेतन मन को दिये जाते है, जैसे कि तुम कुछ नहीं कर सकते, तुम्हारा कुछ नहीं हो सकता, तुम भुलक्कड़ हो। तुममें एकाग्रता नहीं है। आदि कई नकारात्मक संकल्प उस छोटे बच्चे के अवचेतन मन में इतना गहरा उतर जाते है, कि फिर उससे वापस आना बहुत मुश्किल हो जाता है यदि नकारात्मक संकल्पों को बचपन से अभी तक रिकॉर्ड किया जाये तो शोध से पता लगा है कि 36 घंटे कि कई डी.वी.डी फुल हो जायेंगी। हम सभी अभिभावकों, पालकों से निवेदन करते है, कि कृपया नकारात्मक संकल्प रूपी वायरस को बच्चों के सुपर नेचुरल ह्युमन कम्प्यूटर में न डालें, अन्यथा आप उन्हें कितने भी हाई क्वालिटी स्कूल में प्रवेश करा दें, परन्तु बच्चा अपना 100 प्रतिशत परफार्मेन्स नहीं दे पायेगा क्योंकि जैसे हम सोचते है, वैसे हमारे शब्द निकलते है, और जैसे हमारे शब्द निकलते है, वैसे हमारे कर्म होते है और जैसे हमारे कर्म होते है, वैसी हमारी मान्यताएँ, धारणाएँ बनती जाती है और जैसी हमारी धारणाएँ बनती है, वैसा हमारा व्यवहार होता है, जैसा हमारा व्यवहार होता है, वैसा हमारा व्यक्तित्व बनता है जैसा हमारा व्यक्तित्व बनता है, उसका प्रभाव शरीर सम्बन्ध और वातावरण पर पड़ता है। अन्त में यही हमारे सम्पूर्ण जीवन के व्यक्तित्व को निर्धारित करता है इसलिए कहते है, आप वहीं बनते है, जो आप सोचते है। महान मस्तिष्क उद्देश्य से भरे होते है और अन्य लोगों के पास केवल इच्छाएं होती है तो यह निष्कर्ष निकला कि सबसे पहले उन्होंने सोचा इस योजना के लिए कितने पैसे खर्च होंगे तो सारा खर्च का योग 4 मिलियन डॉलर तय हुआ, फिर उन्होंने सोचा इस प्रोजेक्ट को स्थापित करने के लिए कितनी जगह की आवश्यकता होगी। तो अमेरिका की एक जानी-मानी इमारत जो कि सबसे लम्बी इमारतों में से एक है उस पूरी इमारत के जितने स्थान की आवष्यकता होगी। फिर विचार किया इस अविष्कार के लिए कितनी बिजली खर्च होगी, अनुसंधान में पाया गया कि जितनी बिजली पूरे न्यूयार्क शहर में उपयोग होती है, इतनी अधिक बिजली की आवश्यकता पड़ेगी, फिर उन्होंने सोचा जब इतनी बड़ी मशीन को चलाएंगे तो बहुत ज्यादा ऊष्मा उत्पन्न होगी, उस ऊष्मा को ठंडा करने के लिए पूरे के पूरे मिस्पी नदी के जल की आवश्यकता पड़ेगी। इतना सारा खर्च, समय, मैन पॉवर लगाने के बाद भी एस.एन.एच.सी की फोटोकॉपी माल 50प्रतिशत ही हो सकती है। ... **क्रमश :**

प्रबंधन विशेषज्ञों की राय

कार्य स्थल पर दिल से काम करने के लिए चेतना बोध में परिवर्तन कैसे लाएं?

सही सोच बदल सकती है हमारे संपूर्ण जीवन की दिशा

व्यक्ति के चेतना बोध में परिवर्तन का आधार उसे मिलने वाली जानकारी पर निर्भर करता है। कई बार मामूली सी जानकारी भी व्यक्ति को सफलता के सोपान पर ले जाती है। ओलम्पिक प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त और दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में अंतर बहुत थोड़ा सा होता है। इसके बावजूद लोग प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को याद रखते हैं और दूसरे स्थान वाले को भूल जाते हैं। इस तरह आप अपनी मुस्कान से इस संसार में अपना स्थान बना सकते हैं, इसलिए व्यक्ति में किसी भी परिस्थिति को सही सन्दर्भ में समझने की योग्यता होना आवश्यक है। जिससे वह इस बात का सही आंकलन कर सके कि उसके सामने वर्तमान स्थिति कैसी है। पांच मिनट बाद की स्थिति कैसी होगी? नई स्थिति का सामना करने के लिये उसे क्या करना होगा जिसमें वह खुद को सुरक्षित रख सके तथा सफल हो सके।

यदि व्यक्ति को बदली हुई स्थिति की सही जानकारी नहीं है तो वह सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। सही सूचना अथवा जानकारी होने से जहां व्यक्ति की सोच बदल सकती है वहीं उसे सही निर्णय लेने में सहायता भी मिलती है। टेलरिस्ट-पद्धति में सुचना अथवा जानकारी को इतना अधिक महत्व प्राप्त नहीं था, वे इसकी आवश्यकता ही नहीं, ऐसा समझते थे। इसका कारण यह है कि वहां निर्णय सीधे ऊपर से लिए जाते थे लेकिन आधुनिक युग में सूचना को बहुत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है क्योंकि इसी आधार पर व्यक्ति की परख शक्ति और निर्णय शक्ति का सही प्रयोग संभव है। ऐसा होने पर ही व्यक्ति किसी कार्य को पूर्ण जिम्मेवारी और प्रतिबद्धता के साथ करने के लिए प्रेरित होता है।

स्व प्रेरणा चक्र को कैसे शुरू किया जायें। इसके लिए दो बातें ज़रूरी हैं - आत्मविश्वास और आत्मसंतुष्टि। आत्मविश्वास होने से स्व प्रेरणा स्फुरित होगी जिससे कार्य करने पर आत्म-संतुष्टि मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ाने का आहार है सम्बंधित विषय का पूर्ण ज्ञान या जानकारी। ज्ञान को ही शक्ति कहा जाता है, इसलिए अपने कार्य क्षेत्र का पूर्ण ज्ञान होने से आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास स्वतः आ जाता है, परंतु यह ज्ञान केवल बौद्धिक स्तर तक सीमित नहीं रखना चाहिये। इसके लिए ज्ञान के सभी पहलुओं पर सूक्ष्मता से विचार करके उसे आत्मसात करना भी आवश्यक है। जहां ज्ञान होगा वहाँ दृढ़ता और आत्मविश्वास स्वतः आ जाएंगे। इसी आत्मविश्वास के आधार पर व्यक्ति के अंदर कुछ कर दिखाने अथवा परिवर्तन लाने का साहस आ जाता है।

जब व्यक्ति अधिकारिक ढंग से परिवर्तन लाता है तो उसे अपने अंदर कार्य संतुष्टि मिलती है। यह संतुष्टि ही व्यक्ति के प्रोत्साहन और प्रेरणा का मुख्य आधार है। यह व्यक्ति को अनुभव सम्पन्न बनाती है जिससे उसके ज्ञान और समझ में विशालता आती है और व्यक्ति अधिक शक्ति संपन्न बनता जाता है। इस तरह स्व प्रेरक चक्र का आरम्भ होता है।

जब व्यक्ति अपना कार्य करते हुए आनंदित होता है तो वह स्वतः ही अधिक से अधिक जानकारी को प्राप्त करने का पुरुषार्थ करता है। लेकिन यदि आरंभिक अवस्था में ही व्यक्ति के पास पूर्ण जानकारी ना हो तो उसमें पहल करके परिवर्तन लाने के लिए वांछिक शक्ति, साहस एवं आत्मविश्वास नहीं हो सकता। जिसके कारण उसे कार्य करने में संतुष्टि नहीं मिलती। अतः परिणामस्वरूप उसके जीवन में एक ठहराव आ जाता है। वर्तमान समय की मुख्य समस्या यह है कि हम दूसरों के साथ बाँटना नहीं चाहते है। .....**क्रमशः**

जीवन प्रबंधन

हमेशा पॉजिटिव थिंकिंग की आदत डालो

सभी का सहयोग प्राप्त करने के लिए सदा शुद्ध भाव हो, मन में निस्वार्थ भाव हो। अभी तक हमने जीवन बहुत व्यर्थ गंवाया है लेकिन अब जीवन को सफल करना है। सबको सुख देना है, खुद भी सदा सुखी रहना है। परमात्म बोल की शक्ति, निःसंकल्प रहने की शक्ति, सर्व के स्नेह-सहयोग की शक्ति-यह तीन शक्ति सदा बहुत काम करती हैं। फिर सब सहज लगता है। किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। खुद को देखो और खुदा को देखो, बाकी किसी की कमियों को मत देखो। यह महामंत्र याद रखेंगे तो जीवन में सदैव खुशी व सुख बने रहेंगे।

- **दादी जानकी,** मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

जैसी हमारी सोच वैसा हमारा संसार

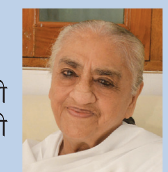

जैसी हमारी सोच होगी वैसा ही हम सबका संसार होगा। दुनिया में हम जैसा सोचते हैं वैसे ही बन जाते हैं, हमारे विचारों में बहुत श्रेष्ठ शक्ति होती है जिनके द्वारा हम अपनी सृष्टि की रचना करते हैं। हम सबको यह ज्ञात भी नहीं होता और हमारे विचार हमारे लिए अनवरत काम करते रहते हैं। कोई भी खराब विचार हमारे जीवन में परेशानियों को लेकर आ सकता है और श्रेष्ठ विचार हम सबके जीवन में बहुत सारी खुशियों को लाने का कार्य कर सकता है, इसलिए जीवन में सदा खुश रहो, श्रेष्ठ विचारों में रहो तो आपका जीवन बहुत खुशनुमा और आसान बन जाएगा।

- **दादी हृदयमोहिनी,** अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

श्रेष्ठ विचार ही श्रेष्ठ कर्म व जीवन का आधार

हम किसी दूसरे व्यक्ति के विचारों, शब्दों व कर्मों से प्रेरित होते हैं। हमें बहुत मजबूत और सुरक्षित बनना होगा और यह केवल तभी संभव है जब हम अभ्यास कर ले कि अपने आस-पास की उर्जा से प्रभावित नहीं होंगे। हमारे आसपास होती घटनाएं हम पर प्रभाव डालती हैं और हमें अपना और अपने आसपास के व्यक्तियों का ध्यान रखना चाहिए। यदि कोई कुछ करने का प्रयत्न कर रहा हो तो अपने मन में संदेह या नकारात्मकता का एक भी विचार पैदा ना हो। यदि हम बच्चे के लिए भय व संदेह के विचार पैदा करें तो इस तरह हम बच्चे की ताकत घटा रहे हैं। हमें केवल शक्तिशाली और ताकतवर सोच को ही आश्रय देना चाहिए। तुम ऐसा कर सकते हो, हमें तुम पर पूरा विश्वास है भले ही बच्चे के भीतर उतनी ताकत ना हो परंतु माता-पिता से मिली ये शक्ति उसे कामयाब होने में मदद करेगी। आज कॉर्पोरेट जगत के लोग कहते हैं कि हम अपने लोगों को प्रेरित करते हैं। प्रेरणा केवल शब्दों से नहीं आती। यदि आप के अधीन काम करने वाला व्यक्ति हर रोज देर से आता है आप उसे प्रेरित करते हुए कहते हैं कि मुझे पूरा विश्वास है कि तुम ये कर सकोगे, परंतु आपकी सोच कहती है मैं इसे जानता हूं यह कभी समय पर नहीं आ सकता यह तो हमेशा ही ऐसा रहेगा। विचार और शब्द अलग - अलग होते हैं। तो जब हम कहते हैं कि हम एक परिवार के हैं, हम दोस्त हैं और एक-दूसरे के सुख-दुःख में साथ हैं तो यह केवल शब्दों का खेल नहीं होना चाहिए। अतः हमारे विचारों तथा शब्दों के बीच एक अच्छा तालमेल होना चाहिए। हम जो कह रहे हैं और हम जो सोच रहे हैं उसके भीतर कोई संघर्ष ना हो। अगर संघर्ष होगा तो सामने वाले व्यक्ति के पास जो उर्जा जा रही है वह भी निश्चित तौर पर विवादित ही होगी। याद रखें विचार की ऊर्जा बेहद गतिशील होती है।

-**बीके शिवानी,** जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, गुड़गांव

दिल्ली उद्बोधन कार्यक्रम

छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने व्यक्त किये विचार

स्वयं के बदलाव से ही सम्भव होगा वैश्विक बदलाव

शिव आमंत्रण, रायपुर। हमें जरूरत है अपने बदलाव की। जब तक हम अपने आप को नहीं बदलेंगे तब तक किसी भी तरह के बदलाव की आशा नहीं की जा सकती है। उक्त विचार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने व्यक्त किये। वे रायपुर के शांति सरोवर सेवाकेन्द्र में आयोजित दिव्य उद्बोधन समारोह में उपस्थित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय विश्व के 140 देशों में संस्था की नौ हजार से भी अधिक शाखाएँ सेवारत् हैं। जहाँ पर लाखों लोग इस संस्थान से जुड़कर शान्ति और सद्भावना के लिए काम कर रहे हैं। हमारे राज्य में बस्तर से लेकर बलरामपुर तक यह संस्थान कार्य कर रही है। यूरोप स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्रों की निदेशिका बीके सुदेश तथा क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि हम सभी मिलकर अपने संस्कारों में दिव्यता लाने का योगदान करें तो संसार को बदल सकते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब अपने मन को मन्दिर बनाएं, आत्मा का दीपक जगाएं और घर को आश्रम बनाएं तो यह संसार पुनः स्वर्ग बन जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदेश शासन की ओर से बीके सुदेश का शॉल और श्रीफल भेंटकर अभिनन्दन भी किया। दुर्ग से आए गायक बीके युगरत्न ने स्वागत गीत पेश दिया। कार्यक्रम का संचालन बीके रश्मि बहन ने किया।

रायपुर के शांतिवन में बोलते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह एवं मंचासीन यूरोप की निदेशिका बीके सुदेश व अन्य।

विश्व बंधुत्व महोत्सव में गृहमंत्री रमेश चेन्निथला के उद्गार

ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रमों से लोगों को मिलेगी एक नई दिशा

शिव आमंत्रण, एल्लापुजा। केरल के एल्लापुजा बीच पर स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा विश्व बंधुत्व महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ केरल के गृहमंत्री रमेश चेन्निथला, सांसद के.सी.वेनुगोपाल, विधायक थोमस इसाक, बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष कुम्मानम राजशेखरन, रेव्ह. डॉ.स्टीफन, स्वामी गुरूनाथम, माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा, तमिलनाडु की सर्विस कोआर्डिनेटर बीके बीना, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके कलावती समेत कई गणमान्य लोगों ने शिवध्वज फहराकर किया। इस अवसर पर गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने कहा कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे इन कार्यक्रमों से लोगों को एक नई सोच और दिशा मिलती है जो भविष्य के लिए लाभकारी है। बीके उषा ने भी हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता हमें स्वयं से जुड़ना सिखाती है और सही-गलत की समझ देती है। इससे हमारे जीवन से सब समस्यायें पूर्णतः समाप्त हो जाती है। इस दौरान बीके सदस्यों ने उपस्थित जनों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास करवाकर शांति की अनुभूति कराई। इससे पहले एल्लापूजा में एक स्कूटर रैली निकाली गई जिसका उद्घाटन एल्लापूजा सर्कल पोलिस इन्स्पेक्टर जॉर्ज मॅथ्यू ने शिवध्वज फहराकर किया।

व्यापार कौशल यहां से सीखा जा सकता है : सिंह

व्यापार एवं उद्योग वर्ग के सम्मेलन का समापन

व्यापार सम्मेलन का उद्घाटन करते उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री साहेब सिंह।

व्यापार सम्मेलन में उपस्थित गणमान्यजन व उद्योग जगत से जुड़े लोग।

शिव आमंत्रण, गुड़गांव। यहाँ जो आचार संहिता सिखाई जा रही है वह तारीफ करने योग्य है। संस्था द्वारा बताये जा रहे नियमों के अनुसार अगर कोई नया व्यापारी व्यापारिक क्षेत्र में उतरता है तो वह भी अवश्य ही सफलता को प्राप्त कर सकता है। उपरोक्त विचार उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री साहेब सिंह ने गुड़गाँव, भोरा कलां स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में व्यापार एवं उद्योग जगत के लोगों के लिए आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के दूसरे दिन के सत्र में एन्लाइटेनिंग माइंड्स फॉर ए बैटर टुमारो कार्यक्रम की लॉन्चिंग के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वयं के लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जीवन का असली महत्व दूसरों के लिए जीने में है। यहाँ आने पर जो कुछ भी मैंने सीखा है, उसे मैं स्वयं के और समाज के हित के लिए जरूर अपनाऊँगा।

ब्रह्माकुमारीज़ की प्रवक्ता बी.के. शिवानी ने कहा कि हमें व्यापार में सफलता प्राप्त करने के लिए अपने मूल्यों से कभी भी समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हमें दुआएं कमाना बहुत जरूरी है। खुशी हमें तभी प्राप्त होती है जब हम व्यापार के साथ-साथ अपने मानवीय मूल्यों को बनाए रखते हैं। कार्यक्रम में टॉक शो का भी आयोजन किया गया जिसमें बीके बृजमोहन, बीके गीता, बीके सुरेन्द्र एवं बीके विवेक ने लोगों के अनेक प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम का संचालन बीके हुसैन ने किया। दूसरे दिन के कार्यक्रम में 1000 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया। दो दिन के इस कार्यक्रम में अलग-अलग कार्यशालाओं के साथ-साथ व्यापार जगत से जुड़ी हुई अनेक प्रकार की चुनौतियों पर विचार किया गया। सुबह के सत्र में सभी को विशेष रूप से राजयोग का अभ्यास कराया गया।

महिलायें सामाजिक कार्यों में हिस्सा लें : शर्मा

पार्षद नीता शर्मा के बेटी बचाओ पर व्यक्त विचार

इंदौर में बेटी बचाओ कार्यक्रम का उद्घाटन करती पार्षद नीता शर्मा व उपस्थित लोग।

शिव आमंत्रण, इंदौर। इंदौर के वेंकटेशनगर सेवाकेंद्र द्वारा महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ' कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें पार्षद नीता शर्मा ने कहा की महिलाओं को अपने घर तक सीमित ना रह कर सामाजिक कार्यां में सहयोगी बनना चाहिए। अपनी विशेषताओं को समाज के कार्यों में लगाना चाहिए।

डॉ. सीमा जैन तथा शा. मा. विद्यालय, बडी कलकेर की प्रिंसिपल कुसुम सैनी ने कहा कि आज के समय में महिला स्वयं सशक्त है, शक्तिशाली है, अपने इरादों में मजबूत है। केवल समाज को उसके प्रति अपना दृष्टिकोण बदलने की जरुरत है।

सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके जयन्ति ने कहा की केवल शारीरिक बल, बुद्धिबल , धनबल तो चरित्र को पतन की ओर ही ले जायेगा, परन्तु सच्चे अर्थों में अगर सशक्तिकरण करना हो तो उसके लिए चाहिए आध्यात्मिकता। इसके बिना गुण व शक्तियां आ नहीं सकती । अंत में राजयोग शिक्षिका बीके सुजाता ने सभी को राजयोग की अनुभूति कराई। कार्यक्रम का मंच संचालन राजयोग शिक्षिका बीके सुजाता ने किया तथा गायक हिमांशु शर्मा ने कन्या भ्रूण हत्या पर गीत प्रस्तुत कर सभी को भाव विभोर किया। इस कार्यक्रम में कई कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गयीं । महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ' पर आर्टिस्ट अभय मुंशी ने 4 मिनट में पेंटिंग बनाई।

श्री श्री रविशंकर को ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर की संस्था आर्ट ऑफ लिविंग के 35 साल पूरे होने पर नई दिल्ली में तीन दिवसीय वर्ल्ड कल्चर फेस्टीवल के विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री श्री के मेगा शो में देश-विदेश के कई वी.वी.आई.पी. के साथ ब्रह्माकुमारीज़ को भी आमंत्रित किया गया। इस दौरान माउंट आबू ग्लोबल हॉस्पिटल की पी.आर.ओ. बीके बिन्नी ने श्री श्री रविशंकर समेत कई गणमान्य लोगों को ईश्वरीय संदेश के साथ-साथ सौगात भेंट की।

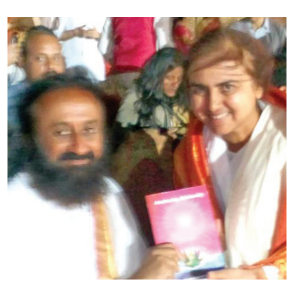
श्रीश्री रविशंकर को इश्वरीय संदेश देतीं बीके बिन्नी।

बेटा ही चाहिए कि मानसिकता को बदलें-डॉ गुप्ता

शिव आमंत्रण, आष्टा। पिछले पचास वर्षों से भारत में डेढ़ करोड़ महिला भ्रूण हत्याएं हो चुकी हैं । फिर भी हम अपने आप को उच्च मानवीय मूल्यों वाला कहते है, अपने आप को संसारी कहते है परन्तु बेटा या बेटी दोनो में कोई अंतर नहीं है। दोनों के सामर्थ्य की तुलना नहीं की जा सकती। इसके लिए अपनी मानसिकता को बदलना जरूरी है। उक्त विचार ब्लॉक मेडिकल आफिसर डॉ. प्रवीण गुप्ता ने बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ अभियान में व्यक्त किये।

मध्यप्रदेश, आष्टा के गोकुलधाम में अखिल भारतीय बेटी बचाओ सशक्त बनाओ अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के महिला प्रभाग और सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ प्रवीण गुप्ता, तहसील के अधिकारी एस.डी.एम अभिषेक गहलोत, न्यायाधीश स्वाति जायसवाल, महिला प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका एवं सीहोर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पंचशीला, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके नीलिमा, नरसुल्लागंज सेवाकेंद्र प्रभारी बीके माला, महाराजपुरा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति तथा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम ने दीप जलाकर किया। न्यायाधीश स्वाति जायसवाल ने कहा, सृष्टि को चलाने के लिए बेटी-बेटा दोनों महत्वपूर्ण हैं। घर चलाने में महिलाओं का योगदान असाधारण है । बेटियों को जन्म देना यह भाग्य की बात है। लेकिन उन्हें सहेजना उससे भी ज्यादा भाग्य की बात है। बेटा और बेटी के फर्क को मिटाने का प्रयास करना चाहिए। ताकि महिलाओं को सम्मान मिले। तहसील के अधिकारी एस.डी.एम. अभिषेक गहलोत, माऊण्ट आबू से बीके ज्ञानेश्वर तथा अन्य सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किया।

अनेक प्रयासों के बावजूद बेटियाँ सुरक्षित नहीं

शिव आमंत्रण, लुधियाना। लुधियाना मे ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित बेटी बचाओ समारोह को संबोधित करते ज्ञानामृत की सहसंपादिका बीके उर्मिला ने कहा कि इस कार्य के लिए सरकार तथा विभिन्न राज्यों की तरफ से भी अनेक प्रयास किये जा रहे है परन्तु असलियत यह है कि आज भी बेटियां और महिलाएं सुरक्षित नहीं है। समाज में महिलाओं को उनका हक दिलवाने के लिए, बेटियों के जन्म को सत्कार देने के लिए, उन्हें बेटों के समान प्यार और अधिकार देने के लिए, उन्हें कामयाबी की ऊंचाइयों छूने के लिए पंख देने के लिए पहल करने की जरूरत है।

15 मार्च से 1 अप्रैल तक के इस जन-जागृति अभियान रैली का टीम के साथ नेतृत्व कर रही बीके उर्मिला के लुधियाना पहुंचने पर स्वागत के लिए लुधियाना सिविल लाईन सेवाकेंद्र प्रभारी बीके राज की अध्यक्षता में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर निगम मेयर हरचरण सिंह गोलवडिया ने बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ अभियान की सराहना करते हुए इस कार्य के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। कॉंग्रेस विधायक सुरेन्द्र डावर ने कहा कि समूचे समाज को एकजूट होते हुए इस कार्य के लिए आगे आने की जरूरत है। समारोह में बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ के अभियान पर विश्व शांति सदन की ओर से बीके आरती, बीके मुकल व उनकी टीम सदस्यों की ओर से गीत-संगीत व नाटक द्वारा भ्रूण हत्या पर संदेश दिया गया। उपस्थित जनों ने राजयोग द्वारा इसे सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प लिया।

नगर निगम के मेयर हरचरण सिंह गोलवडिया को बेटी बचाओ संदेश देती बीके उर्मिला।

नारी शक्ति समाज के नवनिर्माण में सहायक

बेटी बचाओ कार्यक्रम में मंचासीन न्यायाधीश व अन्य।

जस्टिस वर्मा और जस्टिस कौर के विचार

शिव आमंत्रण, चण्डीगढ़। चण्डीगढ़ के सेक्टर 46 बी सेवाकेंद्र द्वारा महिला दिवस पर आयोजित बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ कार्यक्रम में जस्टिस वाणीगोपाल वर्मा और जस्टिस नवजीत कौर ने कहा कि आज नारी आन्तरिक रूप से पुरूषों की तुलना में ज्यादा सशक्त है और यह शक्ति कैसे समाज के नवनिर्माण में अहम भूमिका निभा रही है इसका अहसास ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की गतिविधियों से होता है। राजकीय कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जस्टिस वाणीगोपाल वर्मा और जस्टिस नवजीत कौर, कानूनी सलाहकार विजय देव, सेक्टर 44 सी की सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कविता, सेक्टर 46 की सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनम तथा बीके नीलम ने दीप जलाकर किया। इस अवसर पर विजय देव ने कहा कि चण्डीगढ़ शहर मूल्यनिष्ठ शहर बने, पूरे भारत में सशक्त शहर की मिसाल बने, ऐसी हम सब की शुभकामना है।

अतिथियों ने महिलाओं के आंतरिक सशक्तिकरण के महत्व पर बल देते हुए अपने अनुभवों को सभी के साथ साझाँ किया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों ने कहा कि यदि हम स्वयं के विचारों पर विशेष ध्यान देंगे और उन्हे सशक्त बनायेंगे तो समाज का हर वर्ग सशक्त बन जायेगा।

अनेकता में एकता भारत की पहचान : हनीफा डी मजोई

संयुक्त राष्ट्र संघ, ब्रह्माकुमारीज संस्थान तथा ग्लोबल डायलॉग फाउण्डेशन का आयोजन

सांताक्रुज में देश विदेश के नामचीन प्रतिनिधियों के साथ बीके मीरा तथा बीके कमलेश एवं अन्य

शिव आमंत्रण, मुम्बई। मुम्बई के स्वामी मुक्तानंद पीस पार्क में संयुक्त राष्ट्र संघ के नागरिक संघ, ब्रह्माकुमारीज़ सांताक्रुज वेस्ट तथा ग्लोबल डायलॉग फाउण्डेशन मुम्बई व गैरसरकारी संस्थान डी.पी.आई. के संयुक्त तत्वाधान में सम्मेलन आयोजित किया गया। वैश्विक समाज में अनेकता में एकता विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवीय संघ के सलाहकार डॉ. हनीफा डी. मजोई, मेलबोर्न के ग्लोबल डायलॉग फाऊंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर जॉर्जेस्क , आस्ट्रीया की इलियाना स्मितालका, सिंगापुर से आये बिजनेस कोच के निदेशक दवे रोजर, साहनी ग्रुप की अध्यक्ष माया साहनी, सांताक्रुज की प्रभारी बीके मीरा, हरिद्वार के दीपांकर महाराज समेत कई लोगों ने दीप जलाकर किया।

कार्यक्रम में साहनी ग्रुप की अध्यक्षा माया साहनी ने कहा कि इन्सान होने के नाते हमारा सबसे श्रेष्ठ नाता है इंसानियत का ही है। लेकिन हम इस बात को भूल गये हैं। जरूरत है कि उससे जाने औश्र अमल करें। ब्रह्माकुमारीज का कार्य सराहनीय है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान सांताक्रुज सेवाकेन्द्र संचालिका बीके मीरा ने जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए अनेकता में एकता प्रस्थापित करने के लिए राजयोग अपनाने की सलाह दी। इस अवसर फिल्म निर्माता सुभाष घई, फिल्म अभिनेत्री मानसी जोशी राय, विवेक वासवानी, गायक रोशन समेत कई लोग उपस्थित थे।

क्विक न्यूज़

नारी जाति ने दिया है समय-समय पर उचित मार्गदर्शन : चोपड़ा

बेटी बचाओ कार्यक्रम में पंजाब केसरी की निदेशिका किरण चोपड़ा व अन्य।

शिव आमंत्रण, हुड्डा। पानीपत के हुड्डा में ओम् शांति भवन द्वारा आयोजित बेटी बचाओ कार्यक्रम में बोलते हुए पंजाब केसरी की निदेशिका किरण चोपड़ा ने कहा कि आज भी महिलाओं के दैवी स्वरूप की पूजा होती है। मनुष्य उन्हें आज भी आराध्य मान कर पूजता है क्योंकि इसी नारी जाति ने समय-समय पर संसार को उचित मार्गदर्शन दिया है। मंच पर सम्माननीय अतिथि पानीपत की विधायक श्रीमति रोहिता रेवंडी तथा हुड्डा सेवाकेंद्र संचालिका बीके सुनीता ने कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये कहा कि महिलायें ही घर में प्यार और बाहरी समाज में सन्तुलन बनाने का काम करती हैं। जो सन्तुलन महिला बना कर चलती है वह कोई भी नहीं बना सकता।

बीके अम्बिका को सदभावना अवॉर्ड

बीके अंबिका को सद्भावना अवार्ड प्रदान करते चंद्रशेखर शिवाचार्य स्वामी।

शिव आमंत्रण, बेलगाम। कर्नाटक में बेलगाम के हुक्केरी में सबजोन प्रभारी बीके अम्बिका को सदभावना अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें समाज में की गई विभिन्न सेवाओं के लिये दिया गया। इस दौरान चंद्रशेखर शिवाचार्य स्वामी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा समाज को सद्भावना के पथ पर अग्रसर करने के लिये धन्यवाद व्यक्त किया।

गोवा क्षेत्र प्रमुख बीके शोभा का सम्मान

बीके शोभा का सम्मान करते गोवा के पर्यटन मंत्री दिलिप परूलेकर

शिव आमंत्रण, गोवा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की गोवा क्षेत्र प्रमुख बीके शोभा को गत चार दशक से की गई सामाजिक-आध्यात्मिक सेवा के लिए गोवा के पर्यटन मंत्री दिलीप परूलेकर ने मेमेंटो और शॉल प्रदान कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम ज्ञानदीप संस्था द्वारा आयोजित किया गया जिसमें काफी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पार्सेकर भी मौजूद थे।

शुभभावना से भरपूर मन बनाता है सरल जीवन : मिश्रा

शिव आमंत्रण, आगरा। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था आगरा के सूरसदन सभागार में सद्भावना महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित जनसभा को सम्बोधित करते हुये आगरा की सिविल जज कविता मिश्रा ने कहा कि अगर हमारा मन शुभ भावना से ओत-प्रोत है तो हमारा जीवन बहुत ही सरल हो जाता है। वर्तमान परिस्थितियाँ हमारी छोटी मानसिकता की ही देन है और यही वजह है कि आज वातावरण अशान्त और दुःखदायी होता जा रहा है। ब्रिगेडीयर अमित रॉय ने सत्य और असत्य के बारे में बताते हुये कहा कि दुनिया में सत्य और असत्य दोनों तरह की बातें है। अतः यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हमें क्या लेना है। संस्था द्वारा सत्य का मार्ग इतना सरल और सहज कर दिया गया है जो हर मनुष्य इसका अनुसरण कर सकता है। माऊंट आबू से पधारी बीके गीता ने वर्तमान में हो रही समस्याओं पर प्रकाश डाला व उनका समाधान भी बताया।

ईदगाह सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अश्विना ने मेहमानों का स्वागत किया तथा बीके अमर ने कार्यक्रम का संचालन किया। मोना व कालिंदी डान्स एकेडमी द्वारा मनमोनक डान्स प्रस्तुत किया गया। बीके हेतल ने राजयोग मेडिटेशन करवाया।

पेज 1 का शेष

समर्पण समारोह करनाल....

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक बीके भूपाल, करनाल सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके प्रेम, करनाल क्षेत्र के निदेशक बीके मेहरचन्द समेत कई विशिष्ट लोगों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। **यहाँ हुआ उद्घाटन :** करनाल के नीलोखेड़ी दिव्य अनुभूति भवन, सेक्टर 9 ओम शांति भवन, प्रभू प्रेम सरोवर तथा असन्ध में शिव ज्योर्तिलिंगम् भवन का दादी रतनमोहिनी तथा अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कार्यक्रम के दौरान संस्थान द्वारा समाज में किये जा रहे सराहनीय कार्यों के लिए 11 लाख के वित्तीय सहयोग की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आगे भी हरियाणा सरकार बेहतरीन कार्यों का समर्थन करती रहेगी।

न्यायविदों का सेमिनार

इस अवसर पर बीके लक्ष्मी ने राजयोग द्वारा तनावमुक्त जीवन की कला सिखाते हुए सुंदर योगाभ्यास कराया। चंडीगढ़ से पधारी बीके कविता ने भी न्यायविदों को एयर कंडीशन पर्सनालिटी बनाने की तरकीब सिखाते हुए कहा की हम सभी मन को ऐसा कंडीशन कर ले की किसी भी कंडीशन में हमारी मन की शांति और चेहरे की खुशी स्थायी रहे। अंत में जिला बार एसोसिएशन के प्रधान रोहित जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। अम्बाला की बीके रानी तथा बीके शैली द्वारा सभी को ईश्वरीय सौगात दी गई। इस कार्यक्रम में अम्बाला के सभी न्यायाधीश तथा 250 से अधिक अधिवक्ता व अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन बीके कर्ण ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीश व अधिकारियों में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश जगजीत सिंह, राकेश सिंह, डॉ. संजीव आर्य, नरेन्द्र शुरा, न्यायिक मैजिस्ट्रेट श्रीमती मोहिनी, मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट देवेन्द्र सिंह, ए. के. जैन, न्यायिक मैजिस्ट्रेट रविश कौशिक, श्रीमती रेखा, हर्ष कुमार सिंह, श्रीमती कीर्ति वशिष्ट, श्रीमति गायत्री शामिल थे।

ऋषिकेश में सम्पूर्ण ग्राम विकास महोत्सव एवं राजयोग द्वारा सच्ची सुख-शांति की अनुभूति विषय पर कार्यक्रम

आध्यात्म से हर वर्ग को जोड़ा जा सकता है : स्वामी चिदानंद

संपूर्ण ग्राम विकास महोत्सव का उद्घाटन करते स्वामी चिदानंद सरस्वती व अन्य।

शिव आमंत्रण, ऋषिकेष। भारत देश ऋषि और कृषि प्रधान देश है। इस तरह की कार्यशाला के माध्यम से समाज के हर वर्ग को आध्यात्म से जोड़ा जा सकता है। आध्यात्म का जीवन में बड़ा महत्व है। ग्राम विकास के साथ-साथ गाँवों की स्वच्छता पर भी जोर देना जरूरी है और ये दोनों ही कार्य ब्रह्माकुमारीज़ संस्था कर रही है। उक्त विचार उत्तराखंड के ऋषिकेश में सम्पूर्ण ग्राम विकास महोत्सव एवं राजयोग द्वारा सच्ची सुख-शांति की अनुभूति विषय पर कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने व्यक्त किये। संस्था के ग्राम विकास प्रभाग तथा स्थानीय सेवाकेंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी चिदानंद सरस्वती, पूर्व आई.ए.एस डॉ. कमल टावरी, वेदांत केसरी के स्वतंत्र मुनी, निर्मल आश्रम के जोध सिंह, स्वामी स्वतंत्रतानंद, ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके राजू, पंजाब जोन के निदेशक बीके अमीरचंद, दिल्ली से बीके स्वप्रा, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आरती सहित संस्थान के अन्य सदस्यों ने दीप जलाकर किया।

पूर्व आई.ए.एस कमल टावरी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का लक्ष्य स्पष्ट और निर्धारित होना चाहिए। विज्ञान की तरक्की के साथ-साथ आध्यात्म का तालमेल रखकर कर्म करते आगे बढेंगे तो उन्नति का रास्ता खुलेगा। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने उपस्थित सैकड़ों लोगों को ग्राम विकास और राजयोग के गहरे संबंध के विषय में बताते हुए कहा कि केवल राजयोग द्वारा ही हम सच्ची सुख-शांति प्राप्त कर सकते है। बीके राजू ने गांवों के विकास में बाहरी स्वच्छता के साथ-साथ आंतरिक स्वच्छता के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और राजयोग के प्रयोग से रासायनिक खाद का उपयोग ना कर जैविक खाद का उपयोग करने की सलाह दी। अंत में सभी को राजयोगाभ्यास कराया गया।

श्रेष्ठ संस्कार से ही श्रेष्ठ संसार बनेगा

राजनंदगांव में बीके सुदेश के विचार

शिव आमंत्रण, राजनंदगाँव। संस्कारों के निर्माण में विचारों का बड़ा महत्व है। बुद्धि जिन विचारों को कर्म करने की स्वीकृति दे देती है वही कर्म हमारे संस्कार बनते है। जब हमारे श्रेष्ठ संस्कार हों तभी श्रेष्ठ संसार बनें। उक्त उदार जर्मनी से पधारी बीके सुदेश ने छत्तीसगढ़, राजनंदगांव के ऑडिटोरियम हॉल में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संस्कार परिवर्तन से संसार परिवर्तन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चारों ओर नकारात्मकता का वातावरण होने के कारण हमारी कई आदतें बुरी भी हो जाती है जो उस मनुष्य को तो आन्तरिक रूप से कमजोर बनाती ही है लेकिन साथ ही साथ वे समाज को भी परोक्ष-अपरोक्ष रूप से हानि पहुँचाती है। अतः इन्ही खराब आदतों को हम राजयोग के अभ्यास से बदल सकते है। इंदौर जोन की निदेशिका बीके कमला ने कहा कि संस्कारों के परिवर्तन में मां की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अगर माँ बचपन में ही बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण कर दे तो संस्कार भविष्य में पूरे समाज को लाभान्वित करते है। विशिष्ठ अतिथि लीलाराम भोजवानी ने कहा, ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दी जा रही शिक्षाओं को आत्मसात करने से सुखमय संसार बना सकते है। नगरवासियों की ओर से श्री. भोजवानी ने बीके सुदेश और बीके कमला का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर अभिनंदन किया। नन्ही बालिका दिव्या ने स्वागत नृत्य किया। मंच संचालन बीके प्रभा ने किया तथा कार्यक्रम के अन्त में बीके मुरलीधर सोमानी ने आभार व्यक्त किया।

रेडियो मधुबन को राष्ट्रीय अवार्ड का सम्मान

शिव आमंत्रण, आबू रोड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा संचालित रेडियो मधुबन 90.4 एफ एम को हमारी सरकार हमारा अधिकार के तहत ग्रामीण इलाकों में जागरूकता के लिए अवार्ड दिया गया। सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में वित्तमंत्री अरूण जेटली तथा भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री राज्यवर्धन राठौर ने रेडियो मधुबन के स्टेशन हेड बीके यशवन्त पाटिल को यह अवार्ड देकर सम्मानित किया। सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सूचना प्रसारण के निर्देशानुसार गांवों में जागृति के लिए रेडियो मधुबन ने उल्लेखनीय कार्य किया है। इस समारोह में 192 सामूदायिक रेडियो स्टेशन के प्रतिनिधियों के बीच रेडियो मधुबन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत अधिकारियों तथा ग्रामीणों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित कर ग्रम सभायें लगायी गयी। जिससे ग्रामीणों में इसके प्रति जागरूकता आयी। इस अवसर पर बीके रोहित भी उपस्थित थे।

वित्तमंत्री व सूचना प्रसारण राज्यमंत्री से सम्मान प्राप्त करते रेडियो मधुबन के स्टेशन हेड यशवंत पाटिल।

वर्तमान में जीवन जियेगें तो सदा खुश रहेगें

शिव आमंत्रण, जयपुर। जयपुर के राजापार्क सेवाकेंद्र द्वारा जी.पी. बिरला ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य आपकी मुट्ठी में विषय पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ मनोचिकित्सक बीके डॉ गिरीश पटेल ने कहा कि भूतकाल अनुभव है, भविष्यकाल अपेक्षा है और वर्तमान काल प्रयोग है। अतः वर्तमान के प्रयोग से और भूतकाल के अनुभव से भविष्यकाल की अपेक्षा पूरी करो। अगर हम वर्तमान में जीवन जियें तो हमेशा खुश रहेंगें। उन्होने कहा, खुश रहने से अपने अंदर की इंटरल्युकिन ट्यूब खुलती है और उससे मिलने वाले एंजाइम से आयु बढ़ती है। इसके एक इंजेक्शन की कीमत 40 हजार रूपये है लेकिन यह आपको सिर्फ खुश रहने से प्राप्त होता है तो उसे कायम रखने कोशिश करनी चाहिये। कार्यक्रम के दौरान बीके पूनम ने बताया कि स्वास्थ्य का पहला दुश्मन है मानसिक तनाव। अतः हमें समस्याओं से डरना नहीं है बल्कि इन्हें चुनौतियों के रूप में स्वीकार करना है। इसे चुनौती के रूप में लेनें से हमारी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। छोटी-छोटी बातों को भी चुनौतियों के रूप में ले लो। ऐसे समय पर तीन एफ याद रखो। फेस इट, फाईट इट, फिनिश इट। बीके पूनम ने उपस्थित लोगों को सेवाकेंद्र पर आने का निमंत्रण दिया तथा बीके रितेश ने शारीरिक व मानसिक योगाभ्यास कराया जिसका उपस्थित जनसमुदाय ने भरपूर लाभ लिया। कार्यक्रम में फिल्म निदेशक महेंद्र वर्मा समेत कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे।

राजयोग है तनाव मुक्त जीवन का महामंत्र

दिल्ली, शिव आमंत्रण। ब्रह्माकुमारीज़ के खानपुर दिल्ली सेवाकेंद्र द्वारा साकेत कोर्ट काम्प्लेक्स, पुष्प विहार में विशेष न्यायाधीशों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीके डॉ मोहित गुप्ता व बीके आशा ने स्वस्थ एवं तनाव मुक्त जीवन पर सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम में न्यायाधीश राजकुमार चौधरी ने बताया कि आज के जीवन मे हल्का रहने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहना चाहिए। साथ ही सभी न्यायाधीशों ने अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू में आने का आमंत्रण भी स्वीकार किया। इस कार्यक्रम में राजकुमार चौधरी, अजय कुहर, विनय खन्ना, अर्चना भल्ला, अतुल गौग, गोमती मनोचा एवं विजय कुमार बैनिवाल सहित कई अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश उपस्थित थे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की और आगे भी इस प्रकार ये आयोजन करने का प्रस्ताव रखा।

28 नुक्कड़ नाटिकाओं के माध्यम से दिया महिला सशक्तिकरण का सन्देश

नुक्कड़ नाटक के सहभागी कलाकार अतिथियों व निर्णायकों के साथ।

दिल्ली, शिव आमंत्रण। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण विषय पर ब्रह्माकुमारीज़ के पालम विहार सेवाकेंद्र एवं गुडगाँव पुलिस की संयुक्त परियोजना के तहत नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक कार्यों में युवाओं को शामिल करने की एक नवीन पहल के रूप में किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा बताया गया कि कैसे समाज में आज भी महिला उत्पीड़न हो रहा है और इसके प्रति जागरूकता लाना अति आवश्यक है । दिल्ली तथा एन.सी.आर. क्षेत्र के सात-आठ कॉलेजों (एमिटी इंटरनेशनल, नार्थ कैप विश्वविद्यालय, मिरांडा, पी.जी.डी.ए.वी, दयाल सिंह आदि) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के जजों में श्री राजकुमार, व्याख्याता, अरबिंदो कॉलेज, मता नीता ढांढा, अभिनेता एवं लघु नाटिका निदेशक ,श्री राजीव मलिक(आकाशवाणी) एवं सुश्री कनुप्रिया (टीवी एंकर) शामिल थे। कार्यक्रम को प्रोफेसर डॉ. प्रेम व्रत , चांसलर एन.सी.यू. विश्वविद्यालय, श्री देवेंद्र गुप्ता चेयरमैन, मदर्स प्राइड एवं प्रेसिडियम स्कूल, श्री सुभाष चंद्र सिन्हा (आई.पी.एस.), बीके उर्मिल, मनोचिकित्सक डॉ अवधेश शर्मा के सुदेश (समन्वयक, शिक्षा विंग, ब्रह्माकुमारीज़) एवं श्री वीरेंद्र गुप्ता ने संबोधित किया। विभिन्न भाग लेने वाले छात्रों ने बाल विवाह, सामाजिक कुरीतियाँ तथा महिला उत्पीड़न जैसे संवेदनशील विषयों पर नुक्कड़ नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। इन सभी नाटिकाओं का सार रूप में एक सामान उद्देश्य यही था कि समाज को बदलने की जरूरत है और इस बात को स्वीकार करना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का उद्घाटन आसमान में गुब्बार छोड़कर किया गया । सभी उपस्थित जज और स्कूल स्टाफ को ईश्वरीय सौगात दी गयी। इस अवसर पर मनोचिकित्सक डॉ सुजाता शर्मा, सेवानिवृत मेजर जनरल भारतीय सेना श्री ओमप्रकाश, यशपाल शर्मा, टाइम्स ऑफ इंडिया से दिलीप श्रीवास्तव, मदर प्राइड स्कूल से श्रीमति हरप्रीत कौर चड्ढा तथा डॉ अर्चना गुप्ता समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बेटी बोझ नहीं भगवान का उपहार है : बीके पूनम

दीप प्रज्जवलित करते बीके पूनम बहन, पूर्ण सिंह डाबड़ा, सतबीर वर्मा एवं अन्य।

हिसार, शिव आमंत्रण। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मोहल्ला ज्योतिपुरा सेवाकेंद्र द्वारा 'बेटी बचाओ-सशक्त बनाओ' रैली के हिसार पहुंचने पर उसका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय लाडवा में इस विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बीके पूनम ने कहा कि बेटी बोझ नहीं, भगवान का उपहार है। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक पूर्ण सिंह डाबड़ा ने कहा कि बेटी बचाओ अभियान देश के हालात को देखते हुए चलाया गया है। उन्होंने बताया कि नारी ही नारी का शोषण कर रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस अभियान के माध्यम से समाज में नारी का स्थान फिर से गौरव को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर बीके मीनाक्षी ने उपस्थित सभी लोगों को शपथ दिलवाई कि भ्रूण हत्या नहीं करेंगे, दहेज नहीं लेंगे, नारियों पर अत्याचार नहीं करेंगे। इस अवसर पर गांव की बालिका मुकेश ने नृत्य गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया जिसमें पूर्व विधायक पूर्ण सिंह डाबड़ा, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, ओ.पी. पूनिया, हवासिंह नैन, बीके पूनम , बीके अनिता , बीके वीना , बीके स्मृति व डॉ. आर.पी. गिल्होत्रा सम्मिलित हुए।

सही मार्ग प्रशस्त करने वाली है ब्रह्माकुमारीज़ : रामफल

शिव आमंत्रण, बहादुरगढ़। 63 गांव के सरपंचों के लिए हरियाणा के बहादुरगढ़ सेक्टर 2 सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए बहादुरगढ़ के बीडीओ रामफल ने कहा, हमें कोई संस्था अगर सही मार्ग प्रशस्त कर सकती है तो वह ब्रह्माकुमारीज़ ही है। बीके रोहित ने कहा कि निर्णय शक्ति के साथ परखने की शक्ति की भी आवश्यकता है जो कि राजयोग के माध्यम से ही प्राप्त हो सकती है। निर्णय शक्ति विषय पर हुए कार्यक्रम में बीडीओ रामफल, बीके अमृता, सेवाकेद्र प्रभारी बीके विनिता, बीके अंजली, बीके रेणु, बीके अमृता आदि उपस्थित थे। इस दौरान बीके अमृता ने सभी को संस्था के परिचय से अवगत कराया।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

डॉ. अब्दुल्ला ने किया अवलोकन

शिव आमंत्रण, जम्मू। जम्मू के 248 ए.बी.सी. रोड सेवाकेंद्र पर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूख अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेन्स के प्रांतिय अध्यक्ष मिनिस्टर राणा ने शिरकत की। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुदर्शन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके रविन्द्र ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी और मुख्यालय माउंट आबू में होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराया। अब्दुल्ला ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि एक यही ऐसी संस्था है जहां सर्व मनुष्यमात्र के लिए प्रेम और करूणा की कामना की जाती है।

ऊंचे व्यक्तित्व की पहचान ऊंची सोच

शिव आमंत्रण, चंडीगढ़। सोच जितनी ऊंची होगी, व्यक्तिव भी उतना ऊंचा बन जाएगा। इसके लिए हम गांधीजी का मिसाल ले सकते हैं। उन्होंने दुनिया से लिया बहुत कम है और दिया ही दिया। उक्त विचार चण्डीगढ़ के सेक्टर 44 सी की प्रभारी बीके कविता ने खेड़ी गुर्ना के जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में लायन्स क्लब द्वारा आयोजित शिविर में व्यक्त किए। उन्होंने कहा, बचपन से हमारे जो संस्कार होते हैं उनके आधार पर ही हम कई चीजों का अनुमान लगा लेते हैं और स्मृतियों के आधार पर ही दिमाग की कंडीशनिंग कर लेते हैं। हमारा जीवन एक यात्रा है। इस यात्रा के दौरान हमारी सोच का स्तर जितना अच्छा होगा हम उतनी ही अच्छी अपनी जीवन रूपी यात्रा को तय कर सकेंगें। । छात्रों के साथ लायन्स क्लब के अध्यक्ष संजय मेहंदीरत्ता और अन्य सदस्य भी शामिल हुए। इस दौरान बीके कविता को कॉलेज और क्लब की ओर से स्मृतिचिन्ह भेंट किया गया।

हमेशा करो श्रेष्ठ कर्म

शिव आमंत्रण, मुंबई। मलाड के लिबर्टी गार्डन में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर फ्री मेडिकल चेकअप कैम्प लगाया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध डांसर एवं टीवी एक्टर सुधा चंद्रण, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुंती के साथ-साथ शहर के कई बड़े डॉक्टर्स शामिल थे। उनमें डॉ. अरविंद घौगाने, फिजीशियन डॉ. बीएन जैन, डॉ. सुषमा कौल, डॉ. आशीष यादव ने लोगों की निःशुल्क जांच की। शिविर का उद्घाटन सुधा चंद्रण और बीके कुंती ने रीबन काटकर किया। इस अवसर पर उपस्थित सुधा चंद्रण ने राजयोग को जीवन में अपनाने के साथ-साथ सकारात्मक विचारों के साथ सदा खुश रहने की बात कही। इस अवसर पर बीके कुंती ने भी उपस्थित लोगों को सारे दिन में शक्तिशाली विचार और सदा परमात्मा का संग कर श्रेष्ठ कर्म करने की सलाह दी। इस दौरान सुधा चंद्रण ने भी अपना चैकअप कराते हुए कैंप का लाभ लिया और बीके कुंती ने परमात्मा के दिव्य संदेश के साथ-साथ राजयोग मेडिटेशन की भी जानकारी दी। उन्हे ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित भी किया गया। इस कैंप का लगभग पांच सौ से भी अधिक लोगों ने लाभ लिया।

जर्मनी की पार्लियामेंट मीटिंग में ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्य शामिल

शिव आमंत्रण, त्रिनिदाद। त्रिनिदाद में इंटररीलिजियस ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़े बीके हरिप्रसाद को जर्मनी की पार्लियामेंट मीटिंग में हिस्सा लेने का निमंत्रण मिला। साथ ही रोम के वैटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस से मिलने के लिए भी उन्हें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया या। इस अवसर पर बीके हरिप्रसाद ने पोप फ्रांसिस से मुलाकात कर परमात्म ज्ञान से अवगत करवाते हुये कहा कि आज तक हम जिन्हें पुकारते रहे है, अब वे स्वंय इस धरा पर अवतरित होकर सृष्टि के महापरिवर्तन का पुनीत कार्य कर रहे है। वर्तमान समय में उन्हें पुकारने की बजाय उनके द्वारा बताये गये ईश्वरीय मार्ग पर चलकर समाज के नवनिर्माण कार्य में अपना सहयोग देने की जरूरत है।

Peace of Mind

डीडी फ्री डिश

DD डायरेक्ट फ्री दूरदर्शन के DTH पर GOD TV में और dishtv पर GODTV चैनंल पर भी फ्री पीस ऑफ़ माइंड चैनंल शाम को 7.30 pm से 10.00pm तक देख सकते है अधिक जानकारी के संपर्क करे...

Cell: 8104 777111/ 941415 1111

पीस ऑफ माइंड चैनल विश्व का पहला ऐसा चैनल है जो मनुष्य को प्रत्येक परिस्थिति में काम आता है। सुख - दुःख में समान रहने और मानसिक शांति एवं सद्भाव बनाये रखने का ईश्वर द्वारा दिया गया अनोखा उपहार है। इसे निम्न प्लेटफार्म पर देख सकते है कहीं भी, कभी भी।

Tata Sky	-192
Airtel	- 686
Videocon	-497
Reliance	-171

सशक्तिकरण पर टॉक शो

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के महिला सशक्तिकरण पर विचार

नारी सम्मान और सुरक्षा के लिए युवाओं को जागरूक बनना जरूरी

सत्येन्द्र जैन

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। नारी सम्मान और सुरक्षा के लिए युवाओं को संवेदनशील और जागरूक बनना जरूरी है। आज अगर कोई युवक किसी भी तरह से नारी जाति की गरिमा को ठेस पहुँचाता है तो यह उसकी कमजोर मानसिकता, भावनात्मक तथा आध्यात्मिक विकास के पिछड़ेपन की निशानी है। उक्त विचार दिल्ली स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने जन्माष्टमी पार्क, पंजाबी बाग, रिंग रोड, नई दिल्ली में आयोजित राजयोग उत्सव के दौरान लिंग समानता और सशक्तिकरण विषय पर टॉक शो में बोल रहे थे। जिसमें पांच सौ से अधिक दिल्ली एनसीआर के युवकों ने भाग लिया। इस युवाओं के टॉक शो में पैनलिस्ट के रूप में जेट एयरवेज के कप्तान नीना सिंह, ऑल इंडिया वुमन कॉफ्रेन्स के फाउंडर प्रेसिडेंट राकेश शुक्ला, क्लीनिकल सायकोलोजिस्ट डॉ. सुजाता शर्मा, ऑल इंडिया रेडिओ के स्क्रिप्ट राइटर राजीव मलिक तथा जामिया मीलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के मास कम्युनिकेशन प्रोफेसर डॉ. सुरेश वर्मा आदि उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

श्री. जैन ने यह भी कहा कि, वास्तव में देह अहंकार और इन्द्रिय वासनाएं ही हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक विकृतियों और प्रदूषण के मूल कारण है, जिसको हम आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग शिक्षा द्वारा जीवन तथा समाज से दूर कर सकते है। आध्यात्मिकता द्वारा नारी सशक्तिकरण विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऑल इंडिया वुमन कॉफ्रेन्स के कोषाध्यक्ष अमरेश्वरी मोरला, हरियाणा पुलिस इन्सपेक्टर जनरल सुमन मंजरी, राज्यसभा सदस्य अनिल साहनी, आम आदमी पार्टी विधायक अलका लांबा तथा विधायक विशेष रवि, इंटरैक्टिव बीज कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर मोनिका गुप्ता, पत्रकार पूनम मेहता तथा ब्रह्माकुमारी संस्था के महिला प्रभाग की अध्यक्षा बीके चक्रधारी आदि उपस्थित थे। सात सौ महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। राज्य सभा सदस्य अनिल साहनी ने कहा, ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा लोगों को जगाने का कार्य किया जा रहा है तथा इसका परिणाम आज समाज में स्पष्ट रूप से देखने में आ रहा है। सशक्त महिला ही सशक्त देश के निर्माण में उचित भूमिका निभाती है। विधायक अलका लांबा ने कहा, पुरूष और स्त्री का अनुपात समाज में हजार के मुकाबले नौ सौ है। बालिका भ्रूण हत्या में जो सुधार आया है उसमें ब्रह्माकुमारियों का बड़ा योगदान है। इस अवसर पर सुमन मंजिरी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से मैंने सीखा कि पहले सोचो, समझो फिर करो तो सफलता अवश्य मिलेगी। पत्रकार डॉ. पूनम मेहता ने कहा, हम नारियाँ सृष्टि की सबसे सुंदर रचना है। हमारे पास सृजन की शक्ति है। हम आत्म सम्मान की भावना को रखेंगे तो समाज को बदल सकेंगे।

प्रकाशक एवं मुद्रक: ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।

सलाहकार संपादक: प्रो. कमल दीक्षित **संपादक:** ब्र.कु. कोमल, **संयुक्त संपादक:** ब्र.कु. पुष्पेन्द्र। **आरएनआई नंबर:** आरजेएचआईएन/ 2013/53539

Posted at Shantivan P.O. Dt. 18 to 20 of Each Month

पत्र व्यवहार का पता

संपादक: ब्र.कु. कोमल, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया एवं पब्लिक रिलेशन ऑफिस, शांतिवन-30710

आबू रोड- 307510, जिला-सिरोही मो. 9413384884, 8769830661, shivamantran@bikvv.org